ISSN 0974 1666

सी.सी.आर.यू.एम.
न्यूज़लेटर
केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की त्रैमासिक पत्रिका

खंड 38 • अंक 4 अक्टूबर–दिसम्बर 2018

के.यू.चि.अ.प. और ताजिक विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) और ऐविसिना ताजिक स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी (ए.टी.एस.एम.यू.), दुशांबे, ताजिकिस्तान ने 8 अक्टूबर 2018 को यूनानी चिकित्सा में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह एतिहासिक समझौता माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द द्वारा 7–9 अक्टूबर 2018 को ताजिकिस्तान के दौरे के दौरान भारत और ताजिकिस्तान सरकार के बीच किये गए नौ समझौतों में से एक है।

के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय में समझौते के महत्व को रेखांकित करने और कार्य योजना तैयार करने के लिए आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने इसे मील का पत्थर करार दिया और इस संबंध में के.यू.चि.अ.प. के अधिकारियों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने इस समझौते को जल्द से जल्द अमल में लाने पर ज़ोर दिया और कहा कि काम की शुरूआत ए.टी.एस.एम.यू. में यूनानी चेयर की स्थापना की संभावना तलाश करने से की जा सकती है।

समझौता ज्ञापन के अनुसार के.यू.चि.अ.प. और ए.टी.एस.एम.यू. आपसी हित के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, शिक्षा और प्रशिक्षण में भाग लेंगे। दोनों संगठन यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए सूचनाओं, दस्तावेज़ों और वैज्ञानिक प्रकाशनों का आदान–प्रदान करेंगे। इसके अलावा सम्मेलनों, सेमिनारों, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का संयुक्त संगठन, क्षमता निर्माण के लिए विशेषज्ञों का आदान–प्रदान, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, छात्रों आदि का प्रशिक्षण, अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए दोनों संस्थानों में इच्छुक वैज्ञानिकों, चिकित्सकों और छात्रों को समायोजित करना समझौते के कुछ अन्य प्रावधान हैं।

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द 7 से 9 अक्टूबर 2018 को अपने ताजिक मित्र श्री इमोमाली रहमोन के साथ ताजिकिस्तान की राजकीय यात्रा के दौरान।

ताजिकिस्तान की अपनी सरकारी यात्रा के दौरान श्री राम नाथ कोविन्द और उनके ताजिक संगी श्री इमोमाली रहमोन प्रतिबंधित और विस्तृत प्रारूपों में मिले और दोनों के बीच मानवतावाद, इतिहास, भाषा, परंपरा, कला और संस्कृति के साझा मूल्यों पर आधारित

गहरे संबंधों का उल्लेख किया। उन्होंने दोनों गणराज्यों के बीच राजनायिक संबंधों की स्थापना के बाद से 26 वर्षों में विचार, आपसी समझ और विश्वास और सहयोग के उत्कृष्ट स्तर के नियमित उच्च–स्तरीय आदान–प्रदान पर संतोष व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने दोनों देशों और क्षेत्र की शांति, स्थिरता, आर्थिक प्रगति और समृद्धि के लिए रणनीतिक साझेदारी को और विस्तारित और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की। ●●●

के.यू.चि.अ.प. में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 29 अक्तूबर – 03 नवम्बर 2018 को अपने मुख्यालय के साथ–साथ देश भर में संचालित अनुसंधान केन्द्रों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। 'भ्रष्टाचार मिटाओ – नया भारत बनाओ' विषय पर आधारित सार्वजनिक जीवन में अखण्डता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के प्रयास के रूप में मनाया गया।

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प., श्री आर.यू. चौधरी, सहायक निदेशक (प्रशासन) एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, डॉ. नाहीद परवीन, सहायक निदेशक (यूनानी) और के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय के अधिकारी (ऊपर) और डॉ. सीमा अकबर, सहायक निदेशक प्रभारी और क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधार संस्थान, श्रीनगर के कर्मचारी (नीचे) 29 अक्टूबर 2018 को अखंडता शपथ लेते हुए।

यह अभियान सरकारी कर्मचारियों, केंद्रीय सरकारी कार्यालयों, संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों और आम जनता के बीच हर स्तर पर भ्रष्टाचार की जांच और अखंडता को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता पैदा करने का अनुसरण करता है। यह प्रणाली को प्रभावपूर्ण तरीके से निवारक उपायों को लागू करने के लिए प्रेरित करता है ताकि शासन प्रणाली में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बना रहे। इस सप्ताह का मूल उद्देश्य भ्रष्टाचार मुक्त समाज बनाना है।

के.यू.चि.अ.प. में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आरंभ श्री आर.यू. चौधरी, सहायक निदेशक (प्रशासन) एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय ने अखण्डता शपथ दिलाने के साथ किया। सभी कर्मचारियों ने जीवन के हर क्षेत्र में सत्यनिष्ठा के साथ चलने और कानून का पालन करने तथा व्यक्तिगत व्यवहार में अखण्डता का उदाहरण बनने का वचन दिया। उन्होंने सार्वजनिक हित में सभी कार्यों को ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करने का वचन दिया। उन्होंने घोषणा की कि वे न तो रिश्वत लेंगे और न ही देंगे साथ ही भ्रष्टाचार की किसी भी घटना के बारे में उचित एजेंसी को बताएंगे।

सप्ताह के दौरान मुख्य विषय से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का अयोजन किया गया। इन गतिविधियों में 'कार्यस्थल पर सतर्कता में कैसे सुधार करें' और 'दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों में सार्वजनकि व्यवहार में पारदर्शिता का महत्व' पर समूह वार्ता और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं शामिल थीं। प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। ●●●

उच्च-स्तरीय आयुष प्रतिनिधिमंडल का ईरान दौरा

वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. सहित एक उच्च–स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 19–20 नवम्बर 2018 को ईरान का दौरा किया।

वैद्य राजेश कोटेचा और प्रो. आसिम अली ख़ान ईरान के अधिकारियों के साथ 20 नवम्बर 2018 को तेहरान में एक बैठक के दौरान।

यात्रा का उद्देश्य फरवरी 2018 में पारंपरिक चिकित्सा में शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग करने के लिए आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्रालय, ईरान सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसरण में रणनीति तैयार करना और कार्य योजना बनाना था।

प्रतिनिधिमंडल ने ईरान के नीति निर्माताओं के साथ लाभदायक बातचीत की और दोनों दलों ने दोनों देशों के शैक्षणिक केंद्रों के बीच सहयोग, विशेषज्ञ ज्ञान, अनुभव और संसाधन के आदान–प्रदान, ईरान के राष्ट्रीय वनस्पति उद्यान और भारत के वनस्पति उद्यान के बीच सहयोग और हर्बेरियम नमूनों का आदान–प्रदान, दोनों देशों की पारंपरिक चिकित्साओं और फार्माकोपिया के पारस्परिक सहमति के लिए संभावना तलाशने, भारत और ईरान में पारंपरिक चिकित्सा पर दो सम्मेलनों के संयुक्त आयोजन और संयुक्त प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के संचालन करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्ष आपसी सहमति से छात्रवृत्ति प्रदान करने पर भी सहमत हुए।

दोनों पक्षों ने भविष्य में केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् और तेहरान चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के बीच समझौते पर हस्ताक्षर करने पर भी चर्चा की।

दोनों पक्षों ने एक संयुक्त कार्य योजना विकसित की और बैठक के मिनट (एम.ओ.एम.) पर हस्ताक्षर किए। एम.ओ.एम. पर भारतीय पक्ष से वैद्य राजेश कोटेचा और प्रो. आसिम अली ख़ान ने हस्ताक्षर किए। डॉ. मोहसीन असदी लारी, कार्यकारी विदेश मंत्री, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्रालय और श्री महमूद खुदादोस्त, महानिदेशक, फ़ारसी चिकित्सा कार्यालय, ईरान की तरफ से हस्ताक्षरकर्ता थे।

•••

परिषद् के अनुसंधानकर्ताओं की राइज़िंग स्टार्स कार्यक्रम में भागीदारी

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (ए.आई.आई.ए) ने राइज़िंग स्टार्स कार्यक्रम के अन्तर्गत महिला आयुष अनूभवियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया।

आयुष क्षेत्र की कुशल महिला अनुभवियों के अन्दर समग्र कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण का आयोजन 30–31 अक्टूबर 2018 को नई दिल्ली में भारतीय प्रबंधन संस्थान – कोझीकोड़ के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण में के.यू.चि.अ.प. के तीन अधिकारियों – डॉ. नाहीद परवीन, सहायक निदेशक (यूनानी), डॉ. शगुफ़्ता परवीन, उप निदेशक (यूनानी) और डॉ. ग़ज़ाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक– IV सहित 30 आयुष अनुभवियों ने भाग लिया।

आत्म–जागरूकता प्राप्त करने, बदलती दुनिया को देखते हुए भविष्य को आकार देने और निर्णय लेने के कौशल में सुधार करने से संबंधित अनेक विषयों पर कार्यक्रम में चर्चा की गई।

•••

के.यू.चि.अ.प. और एन.आर.डी.सी. के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 29 अक्टूबर 2018 को नई दिल्ली में वाणिज्यिक और सामाजिक–आर्थिक लाभ के उद्देश्य से प्रौद्योगिकियों के विकास और उद्योग को इनके सफल हस्तांतरण में सहयोग के लिए नेशनल रिसर्च डेवेलपमेंट कॉरपोरेशन (एन.आर.डी.सी.) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और डॉ. एच. पुरुषोत्तम, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, नेशनल रिसर्च डेवेलपमेंट कारपोरेशन 29 अक्टूबर 2018 को नई दिल्ली में समझौता ज्ञापन के दस्तावेज़ को प्रदर्शित करते हुए।

के.यू.चि.अ.प. के पास ब्रॉन्कियल अस्थमा, संधिशोथ, क़ब्ज़ और नज़ला जैसे रोगों के लिए प्रभावी उपचार प्रदान करने वाली हर्बल और खनिज मूल औषधियों से तैयार कुछ उपन्यास और चिकित्सीय रचनाओं को विकसित करने हेतु अपने 17 पेटेंट हैं। इनमें से कुछ पेटेंट एस.सी.ए. आर. प्राइमरों को विकसित करने के लिए मिले हैं जिनका उपयोग औषधि मिश्रण में वास्तविक और मिलावट की उपस्थिति को प्रमाणित करने या पुष्टि करने के लिए किया जा सकता है। एन.आर.डी.सी. के साथ सहयोग करने के इस कदम से पेटेंट का व्यवसायीकरण होगा और के.यू.चि.अ.प. को आय में बढ़ोतरी का अवसर मिलेगा।

समझौते ज्ञापन के अनुसार के.यू.चि.अ.प. लाइसेंसिंग और वाणिज्यिक लाभ के लिए पेटेंट सहित अपनी प्रौद्योगिकी एन.आर.डी.सी. को सौंपेगा। के.यू.चि.अ.प., एन.आर.डी.सी. को प्रौद्योगिकियों से संबंधित तकनीकी और इंजीनियरिंग ज्ञान प्रदान करेगा जिसमें कार्य करने की विधि, उद्योग द्वारा उनके उपयोग पर तकनीकी जानकारी और प्रौद्योगिकियों तथा संबंधित पेटेंट/डिज़ाइन/कॉपीराइट/ट्रेडमार्क के व्यावसायीकरण के लिए आवश्यक जानकारी शामिल है।

समझौते के एक भाग के रूप में एन.आर.डी.सी. वाणिज्यिक लाभ उठाने के लिए के.यू.चि.अ.प. द्वारा आवंटित प्रक्रियाओं की उपलब्धता का व्यापक प्रचार करेगा और प्रौद्योगिकियों के प्रभावी लाइसेंसिग और व्यवसायिकरण को तेज़ी से बढ़ाने के लिए आवश्यक बाजार डेटा/प्रोफाइल, पूर्व सम्भाव्यता, सम्भाव्यता और परियोजना रिपोर्ट तैयार करेगा।

एन.आर.डी.सी. लाइसेंसिंग के लिए पेटेंट/डिज़ाइन/कॉपीराइट/ट्रेडमार्क के आवेदन करके प्रौद्योगिगियों की सुरक्षा के लिए के.यू.चि.अ.प. को सभी संभावित सहायता करने और सुझाव देने के लिए भी सहमत हुआ और बदले में के.यू.चि.अ.प. यह प्रौद्योगिकियां व्यवसायीकरण के लिए एन.आर.डी.सी. को आवंटित करेगा। समझौता ज्ञापन दस वर्ष की अवधि के लिए मान्य है जिसे आपसी समझौते से आगे की अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है।

प्रो. आसिम अली ख़ान, के.यू.चि.अ.प. और डॉ. एच. पुरुषोत्तम, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एन.आर.डी.सी. ने दोनों संगठनों के अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

●●●

श्रीनगर में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एन.एम.पी.बी.) के सहयोग से 30 नवंबर – 01 दिसम्बर 2018 के दौरान क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), श्रीनगर में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का अयोजन किया। संगोष्ठी में पारंपरिक ज्ञान की रक्षा के महत्व और एक वैज्ञानिक संगठन के लिए बौद्धिक सम्पदा के अधिकारों और पेटेंट की महत्ता पर प्रकाश डाला गया।

मंच पर आसीन गणमान्य – (बाएं से दाएं) डॉ. मोहम्मद ताहिर, सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प., श्री प्रमोद कुमार पाठक, अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, प्रो. तलत अहमद, उप–कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय और डॉ. मुख़्तार अहमद क़ासमी, संयुक्त सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय 30 नवंबर – 01 दिसंबर 2018 को श्रीनगर में बौद्धिक संपदा अधिकारों पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन के दौरान।

संगोष्ठी का उद्घाटन श्री प्रमोद कुमार पाठक, अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रो. तलत अहमद, उप–कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय, डॉ. अब्दुल कबीर डार, आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, जम्मू और कश्मीर सरकार, डॉ. मोहम्मद ताहिर, सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, डॉ. मुख़्तार अहमद क़ासमी, संयुक्त सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय और प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. की उपस्थिति में किया।

उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए श्री प्रमोद कुमार पाठक ने यूनानी चिकित्सा और अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में नए अनुसंधान करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कुछ उपन्यास और चिकित्सीय रचनाओं और एस.सी.ए.आर. प्राइमरों के विकास से संबंधित 17 पेटेंट प्राप्त करने के लिए के.यू.चि.अ.प. की सराहना की।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. तलत अहमद, उप–कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय ने कहा कि यूनानी चिकित्सा एक सांस्कृतिक और आनुभविक विरासत है और इसकी प्रासंगिकता को बनाए रखने के लिए पद्ध ति को आधुनिक बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने हितधारकों से विभिन्न संबंधि ात क्षेत्रों के प्रभावी सहयोग से यूनानी चिकित्सा पद्धति का उन्नयन करने के लिए आग्रह किया ताकि मानव जाति के समग्र लाभ के लिए एक सार्थक शोध किया जा सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि कश्मीर विश्वविद्यालय किसी भी सहयोग में, जिसका उद्देश्य यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान करना है, भागीदार बनकर खुशी महसूस करेगा।

बौद्धिक सम्पदा और पेटेंट की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए डॉ. अब्दुल कबीर डार ने कहा कि पेटेंट एक गंभीर कार्य है और इस क्षेत्र में के.यू.चि.अ.प. की उपलब्धियां प्रशंसनीय है।

इससे पहले अपने स्वागत भाषण में प्रो. आसिम अली ख़ान ने परिषद् और इसके अधीन अनुसंधान संस्थानों के समग्र कार्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। पेटेंटिंग के क्षेत्र को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि के.यू.चि. अ.प. को 17 मिल चुके है और अन्य 30 आवेदन भारतीय पेटेंट कार्यालय (आई. पी.ओ.) के विचाराधीन है।

तकनीकी सत्रों के दौरान, आई.पी. ओ., नई दिल्ली और औषधि विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने बौद्धिक संपदा और इससे संबंधित विषयों के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। श्री सुब्रत साहु और सुश्री सुधा जावेरिया, आई.पी.ओ., नई दिल्ली ने 'पेटेंटिंग ऑफ बॉयोटेक्नोलोजी इन्वेशन', 'बेसिक्स ऑफ पेटेंट स्पेसीफिकेशन ड्राफ्टिंग', ट्रेडिशनल नॉलेज प्रोटेक्शन एण्ड बॉयोटेक गाइडलाइन्स एण्ड

बेनेफिट शेयरिंग' और 'प्रॉयर आर्ट सर्च फॉर पेटेंट एप्लिकेशन ऑन टी.के.डी. एल. डाटाबेस एण्ड अदर डाटाबेसेस' पर व्याख्यान दिया। डॉ. मोहम्मद इस्हाक़ गीर, औषधि विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय ने 'बैलेंसिंग बिटवीन आई.पी.आर. एण्ड इक्यूटेबल एक्सेस टू मेडिसन' और 'मेडिकेलाइजेशन ऑफ दि सोसायटी एण्ड सोशलाईजेशन ऑफ दि मेडिसन' पर जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया। सत्रों की अध्यक्षता डॉ. मुख़्तार अहमद क़ासमी, डॉ. शजरुल अमीन, समन्वयक, नैदानिक जैव रसायन, कश्मीर विश्वविद्यालय और डॉ. राबिया हामिद, समन्वयक, नैनोटेक्नोलॉजी, कश्मीर विश्वविद्यालय ने की। क्षे.यू.चि.अ.प., श्रीनगर से डॉ. नक़ीबुल इस्लाम और के.यू.चि.अ.प. से डॉ. अब्दुल रहीम, डॉ. पवन कुमार और डॉ. उसामा अकरम ने सत्रों की सह–अध्यक्षता की। डॉ. सीमा अकबर, सहायक निदेशक प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सत्र का समापन हुआ। संगोष्ठी बौद्धिक संपदा प्रबंधन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और पेटेंट के व्यवसायीकरण के लिए प्रतिभागियों को संवेदनशील बनाने और प्रशिक्षित करने के अपने उद्देश्य में सफल रही। ●●●

श्री प्रमोद कुमार पाठक, अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय 30 नवंबर – 01 दिसंबर 2018 को श्रीनगर में बौद्धिक संपदा अधिकारों पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए।

30 नवंबर – 01 दिसंबर 2018 को श्रीनगर में बौद्धिक संपदा अधिकारों पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रतिभागियों का एक दृश्य।

इम्फाल में आरोग्य मेला

के.यू.चि.अ.प. ने 6–9 दिसम्बर 2018 के दौरान इम्फाल ईस्ट, मणिपुर में आयोजित आरोग्य मेला 2018 में भाग लिया।

श्री नोंगथोम्बम बीरेन सिंह, माननीय मुख्यमंत्री, मणिपुर और श्री एल. जयंतकुमार सिंह, माननीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं आयुष मंत्री 6–9 दिसम्बर 2018 को इम्फाल ईस्ट, मणिपुर में आयोजित आरोग्य मेला 2018 के उद्घाटन समारोह में श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

मेले का उद्घाटन श्री नोंगथोम्बम बीरेन सिंह, माननीय मुख्यमंत्री, मणिपुर ने श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय की उपस्थिति में किया। लगभग 50 सार्वजनिक और निजी संगठनों ने राज्य में आयुष पद्धति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित आरोग्य मेले में भाग लिया जो चिकित्सीय पादपों से भरपूर है।

चार दिवसीय मेले के दौरान लगभग 500 आगंतुकों ने के.यू.चि.अ.प. स्टॉल का दौरा किया। वे यूनानी चिकित्सा पद्धति और बर्स और सोरायसिस जैसे कुछ विशिष्ट रोगों के उपचार के बारे में जानने के लिए उत्सुक थे। के.यू.चि.अ.प. के चिकित्सकों ने 207 रोगियों को निःशुल्क परामर्श दिया और उपचार किया। ●●●

परिषद् ने स्वच्छता पखवाड़ा मनाया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 16–30 अक्टूबर 2018 के दौरान अपने मुख्यालय और देशभर में स्थित संस्थानों में स्वच्छता के विषय पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया।

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. 30 अक्टूबर 2018 को आयुष सभागार, नई दिल्ली में के.यू.चि.अ.प., के.आ.वि.अ.प., के.हो.अ.प. और के.यो.प्रा.चि.अ.प. द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए।

डॉ. मो. ताहिर, सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में 23 अक्टूबर 2018 को औपचारिक रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह का आरंभ कार्यालय परिसर में पौधारोपण के साथ हुआ।

पखवाड़े के दौरान मुख्यालय और पूरे देश में स्थित संस्थानों/इकाइयों में सफाई अभियान चलाया गया। इन गतिविधियों में पौधारोपण और हरियाली वाली जगहों में सुधार, सामान्य स्वच्छता अभियान, गलियारे की सफाई, कार्यालय के कचरों की सफाई, स्वच्छता में सुधार, पुरानी फाइलों की निराई, शौचालय की सफाई, बिजली के तारों की मरम्मत, पोताई, पुराने फर्नीचर की मरम्मत, विभिन्न कक्षों में मरम्मत कार्य, कूड़ेदान रखना और जैव–चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कर्मचारियों के बीच स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे वाद–विवाद, प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, नारा लेखन, चित्रकला इत्यादि का अयोजन किया गया। के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय में स्वच्छता सैनिक (सफाई कर्मचारी) के लिए एक विशेष पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जनकपुरी, नई दिल्ली स्थित आयुष सभागार में आयुष मंत्रालय की चार अनुसंधान परिषदों – केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् (के.आ.वि.अ.प.), केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् (के.हो.अ.प.) तथा केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यो.प्रा.चि.अ.प.) – ने संयुक्त समापन का आयोजन किया। समारोह को प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प.; प्रो. वैद्य के. एस. धीमान, महानिदेशक, के.आ.वि.अ.प., डॉ. आर.के. मनचंदा, महानिदेशक, के.हो. अ.प., डॉ. एन. श्रीकांत, उप महानिदेशक,

औषधि मानकीकरण अनुसंधान एकक, नई दिल्ली के कर्मचारी कार्यालय परिसर में पौधा रोपण करते हुए।

के.आ.वि.अ.प., डॉ. अनिल खुराना, उप महानिदेशक, के.हो.अ.प. और डॉ. राजीव रस्तोगी, सहायक निदेशक, के.यो.प्रा.चि. अ.प. ने सम्बोधित किया। पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यालय परिसर में कार्यरत सभी स्वच्छता सैनिकों को प्रशंसा के रूप में प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने व्यक्तिगत रूप से कार्यालय परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रत्येक स्वच्छता सैनिक की उनके निरंतर प्रयासों के लिए सराहना की और धन्यवाद दिया।

•••

उन्नत सोशल मीडिया अंतदृष्टि पर कार्यशाला का आयोजन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) के अधिकारियों ने 22 दिसम्बर 2018 को नई दिल्ली में केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् (के.आ.वि.अ.प.) द्वारा आयोजित उन्नत सोशल मीडिया अंतदृष्टि पर कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य आयुष पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की क्षमताओं को काम में लाने के लिए आयुष अनुसंधानकर्ताओं को प्रशिक्षित करना था।

अपने उद्घाटन सम्बोधन में श्री पी. एन. रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने सोशल मीडिया के माध्यम से आयुष पद्धतियों के बारे में नकारात्मक प्रचार को संबोधित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर अपने मुख्य भाषण में श्री के. जी. सुरेश, महानिदेशक, भारतीय जनसंचार संस्थान (आई. आई.एम.सी.), नई दिल्ली ने कहा कि आयुष पद्धति के लिए सोशल मीडिया का लक्ष्य सोच में परिवर्तन लाना और पद्धतियों के बारे में नकारात्मकता को दूर करना होना चाहिए।

तकनीकी सत्र के दौरान डॉ. अनुभूति यादव, प्रमुख, न्यु मीडिया विभाग और पाठ्यक्रम निदेशक, विज्ञापन एवं जनसंपर्क पाठ्यक्रम, आई.आई.एम.सी. ने सोशल मीडिया से संबंधित विभिन्न पहलुओं जैसे लक्षित दर्शकों को समझना, गलत सूचना/दुष्प्रचार और तथ्यों का सत्यापन, सामग्री सर्जन, इत्यादि पर व्याख्यान दिया। उन्होनें प्रभावी सामग्रियों का सर्जन करने के लिए विभिन्न ऑडियो–विजुअल उपकरणों की जीवित प्रदर्शनी और प्रशिक्षण भी दिया।

पिछली कार्यशालाओं के प्रशिक्षण के आधार पर डॉ. तमन्ना नाज़ली, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), के.यू. चि.अ.प. ने एक पॉवरप्वाइंट प्रस्तुति दी। कार्यशाला का तकनीकी भाग डॉ. ग़ज़ाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक–IV, के. यू.चि.अ.प. द्वारा समन्वित किया गया।

•••

22 दिसम्बर 2018 को नई दिल्ली में केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा उन्नत सोशल मीडिया अंतदृष्टि पर आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी एक ग्रुप फोटो के लिए पोज़ देते हुए।

आरोग्य एक्सपो में भागीदारी

के.यू.चि.अ.प. ने अपने क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), मुम्बई के माध्यम से 14–17 दिसम्बर 2018 को कन्वेंशन एण्ड एक्ज़िबिशन सेंटर, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में विश्व आयुर्वेद फाउंडेशन द्वारा आयोजित आठवें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और आरोग्य एक्सपो 2018 में भाग लिया।

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय का 14–17 दिसंबर 2018 को अहमदाबाद में विश्व आयुर्वेद फाउंडेशन द्वारा आयोजित आठवें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और आरोग्य एक्सपो 2018 के दौरान स्वागत करते हुए।

कार्यक्रम का उद्घाटन गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री विजय रूपानी ने श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, श्रीमती के.के. शैलजा टीचर, स्वास्थ्य मंत्री, केरल, वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. हिमान्शु पाण्डेय, उप–कुलपति, गुजरात विश्वविद्यालय की उपस्थिति में किया। कार्यक्रम 'आयुर्वेद पारितंत्र को मज़बूत बनाना' विषय पर आधारित था जिसका उद्देश्य व्यक्तिक और जनसंख्या के स्वास्थ्य के आधार पर 'स्वास्थ्य सेवा' को पुनःपरिभाषित करना था।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री रूपानी ने आधुनिक चिकित्सा के रूप में आयुर्वेद के प्रलेखन की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय ऋषियों द्वारा 5000 वर्ष पूर्व विकसित आयुर्वेद पद्धति के पास स्वस्थ जीवन और अच्छी तंदरुस्ती का उत्तर है जिसे दुनिया आज खोज रही है।

उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए श्री श्रीपाद नाईक ने कहा कि आयुष पद्धतियों के लिए चुनौती है कि यह वर्तमान स्थिति में रोग उपचार के उपकरण के रूप में अपनी पहचान से ऊपर उठ कर पूर्ण स्वास्थय प्रणाली का दर्जा प्राप्त करें। उन्होंने कार्यक्रम में परिषद् के स्टॉल का दौरा किया और क्षे.यू.चि.अ.सं. की टीम ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया।

क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई ने अपने स्टॉल से के.यू.चि.अ.प. की गतिविधियों और उपलब्धियों का प्रचार किया। परिषद् के महत्वपूर्ण प्रकाशनों का प्रदर्शन किया गया और यूनानी चिकित्सा पद्धति पर निःशुल्क साहित्य और के.यू.चि.अ.प. के अनुसंधान परिणामों को आगंतुकों को बांटा गया। इसके अतिरिक्त, बिमार आगंतुकों को निःशुल्क परामर्श दिया गया और कुछ रोगियों का हिजामा (कपिंग थैरेपी) किया गया जोकि आर्कषण का विषय रहा। कुल 175 पुरूष और 112 महिला रोगियों ने स्वास्थ्य सुविधा का लाभ उठाया, जबकि 65 रोगियों पर कपिंग थैरेपी की गई।

डॉक्टरों, विशेषज्ञों, औषधि उद्योग के प्रतिनिधियों, अध्यापकों और छात्रों के अतिरिक्त 35 देशों के लगभग 24 वक्ताओं, 150 अतिथियों और 3,500 प्रतिनिधियों ने कांग्रेस में भाग लिया। इस आयोजन को आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों का समर्थन प्राप्त था। ●●●

14–17 दिसंबर 2018 को अहमदाबाद में आरोग्य एक्सपो 2018 में के.यू.चि.अ.प. के स्टॉल पर आगंतुकों का एक दृश्य।

लखनऊ में चिकित्सा शिविर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), लखनऊ ने 17 अक्टूबर 2018 को लखनऊ में कुर्सी क्षेत्र के पंचायत घर के प्रांगण में स्थानीय प्रधान के निवेदन पर एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के चिकित्सक 17 अक्टूबर 2018 को लखनऊ में संस्थान द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर में रोगियों को देखते हुए।

शिविर का उद्घाटन क्षेत्र के पूर्व ब्लॉक प्रमुख के साथ डॉ. एम.ए. ख़ान, उप–निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ ने किया। डॉ. ख़ान ने अपने उद्घाटन भाषण में आगंतुकों को साफ़–सफ़ाई बनाए रखने, स्वस्थ आहार लेने, जंक फूड से बचने और प्राकृतिक जीवन जीने की सलाह दी। उन्होंने किसी भी रोग से पीड़ित होने की स्थिति में के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ में उपलब्ध उपचार सुविधाओं का लाभ उठाने का भी सुझाव दिया।

डॉ. महबूब–उस–सलाम, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), श्री अब्दुल मोबीन ख़ान, फार्मासिस्ट और श्री इक़बाल अहमद, संदेशवाहक ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने बीमार आगंतुकों को निःशुल्क परामर्श और उपचार प्रदान किया। •••

आई.आई.एस.एफ. – 2018 में भागीदारी

केन्द्रीय युनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), लखनऊ ने 5–8 अक्टूबर 2018 के दौरान इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित इंडिया इन्टरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आई.आई.एस.एफ.) – 2018 में भाग लिया।

इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में 5–8 अक्टूबर 2018 के दौरान आयोजित इंडिया इन्टरनेशनल साइंस फेस्टिवल – 2018 में के.यू.चि.अ.प. के स्टॉल का एक दृश्य।

आई.आई.एस.एफ. विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए 2015 में आंरभ की गई एक पहल है जो यह प्रदर्शित करता है कि विज्ञान के माध्यम से कैसे कम समय में भारत को एक विकसित देश की ओर ले जा सकते हैं।

के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ की टीम ने कार्यक्रम में के.यू.चि.अ.प. की भागीदारी को सुनियोजित किया। सभी सदस्यों ने अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में परिषद् की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को उजागर करने और यूनानी चिकित्सा पद्धति का प्रचार–प्रसार करने की भरपूर कोशिश की। रोगों की रोकथाम और स्वस्थ्य जीवन पर आधारित सूचान पूर्वक सामग्रियों को प्रदर्शित किया गया और आगंतुकों में निःशुल्क स्वास्थ्य साहित्य का वितरण किया गया। •••

यूनानी दिवस के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 23 दिसम्बर 2018 को अपने मुख्यालय और देशभर में फैले अपने अनुसंधान केंद्रों में यूनानी दिवस 2019 समारोह के लिए 50 दिन की विलोमगणना की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करके इस समारोह का प्रचार–प्रसार करना था।

यूनानी दिवस को बढ़ावा देने के लिए केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित मैराथन के प्रतिभागी ग्रुप फोटो के लिए पोज़ देते हुए।

विलोमगणना के आंरभ से के.यू.चि.अ.प. के 23 संस्थानों/केंद्रों ने रोगियों, उनके परिचारकों और आम जनता में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से विभिन्न रोगों के उपचार में यूनानी चिकित्सा की भूमिका पर पांच मिनट की सार्वजनिक बातचीत के साथ कार्य शुरू किया। इसके अतिरिक्त, मैराथन, लेखन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, सार्वजनकि स्वास्थ्य वार्ता, आम जनता के लिए दैनिक स्वास्थ्य टिप्स, कार्यशाला आदि का आयोजन किया गया।

केन्द्रीय आयुष मंत्रालय के अधीनस्थ यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान और विकास हेतु सर्वोच्च निकाय के रूप में के.यू.चि.अ.प. 11–12 फरवरी 2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में यूनानी दिवस पर मुख्य समारोह का आयोजन करेगा। समारोह का उद्घाटन डॉ. नजमा हेप्तुल्ला, माननीय राज्यपाल, मणिपुर, श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, श्री प्रमोद कुमार पाठक, अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय और अन्य गणमान्यों की उपस्थिति में करेंगी।

यूनानी दिवस समारोह में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए यूनानी चिकित्सा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, यूनानी चिकित्सा हेतु आयुष पुरस्कार वितरण के लिए एक समारोह, उद्योग और शिक्षाविदों की एक प्रदर्शनी और के.यू.चि.अ.प. के प्रकाशनों के विमोचन का कार्यक्रम शामिल होगा।

सम्मेलन में जीवनशैली विकार और इनके उपचार, संघटित चिकित्सा, माँ और शिशु की देखभाल, जेरिएट्रिक केयर, सार्वजनिक स्वास्थ्य में यूनानी

यूनानी डे को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनसुधांन संस्थान, भद्रक में आयोजित स्वास्थ्य वार्ता का एक दृश्य।

चिकित्सा के एकीकरण एवं इसे मुख्य धारा में लाने और वैश्वीकरण से संबंधित सत्र होगें। यूनानी चिकित्सा पद्धति के विशेषज्ञों द्वारा वैज्ञानिक विचार–विमर्श से दुनिया भर से आए विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, अनुसंधानकर्त्ताओं और यूनानी चिकित्सा से संबंधित अन्य हितधारकों के आकर्षित होने की उम्मीद है। ●●●

यूनानी चिकित्सा के प्रसार पर संवादात्मक सत्र

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 5 दिसम्बर 2018 को अपने मुख्यालय में पद्मश्री प्रो. हकीम सैय्यद ज़िल्लुर रहमान के साथ एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया। सत्र का उद्देश्य यूनानी चिकित्सा पद्धति के प्रचार–प्रसार और इस पद्धति से संबंधित साहित्य के विकास के लिए रणनीति तैयार करना था।

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. 5 दिसम्बर 2018 को परिषद् में यूनानी चिकित्सा के प्रसार पर संवादात्मक सत्र के दौरान पद्मश्री प्रो. हकीम सैय्यद ज़िल्लुर रहमान को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

अपने परिचयात्मक टिप्पणी में प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने इस तथ्य पर ज़ोर दिया कि यूनानी चिकित्सा पद्धति न केवल एक चिकित्सा विरासत है, बल्कि एक संपूर्ण विज्ञान है, जिसे संसार के विभिन्न भागों में विभिन्न संस्कृति और धर्म से संबंधित विद्वानों द्वारा धीरे–धीरे विकसित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस तथ्य ने यूनानी चिकित्सा पद्धति को वैश्विक स्तर पर स्पर्श कराया और विभिन्न समय के सभी बुद्धिजीवियों के ज्ञान से इसके खज़ाने को समृद्ध किया। उन्होंने आगे कहा कि भारत आज यूनानी चिकित्सा में विश्व अग्रणी है और इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तथ्य से हर संभव तरीके से वैश्विक स्तर पर सभी हितधारकों को अवगत कराने की आवश्यकता है।

यूनानी चिकित्सा के इतिहास के एक प्रसिद्ध यूनानी विद्वान और प्राधिकारी प्रो. हकीम सैय्यद ज़िल्लुर रहमान ने यूनानी चिकित्सा की यात्रा और विभिन्न समय में यूनानी विद्वानों द्वारा किए गए महान योगदानों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि आधुनिक दुनिया में यूनानी चिकित्सा को लगभग 18 नामों से जाना जाता है जो वैश्विक स्तर पर यूनानी चिकित्सा के प्रचार में बाधा बनते हैं। उन्होंने सभी समान चिकित्सा पद्धतियों के लिए 'यूनानी' के नाम पर सर्वसम्मति बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. रहमान ने कहा कि यूनानी चिकित्सा पद्धति ही सिर्फ एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है जिसका प्राचीन काल से ही एक निरंतर, प्रामाणिक और अच्छी तरह से लिखा हुआ इतिहास है। उन्होंने आगे कहा कि यूनानी चिकित्सा की जड़ें प्राचीन मिस्र और बेबीलोन में मिलती हैं। भारत में यूनानी चिकित्सा के इतिहास के बारे में बोलते हुए उन्होंने बताया कि आठवीं शताब्दी ईस्वी के दौरान इस पद्धति का परिचय हुआ और जल्द ही एक स्वदेशी चिकित्सा पद्धति के रूप में इसने देश में अपनी जड़ें जमा लीं। प्रो. रहमान ने अनुवाद और पुनरुत्पत्ति के माध्यम से यूनानी चिकित्सा के शास्त्रीय साहित्यिक संरक्षण में परिषद् के योगदान को सराहा। उन्होंने मध्य एशियाई देशों के साथ सहयोग करने का आग्रह भी किया।

चर्चाओं के प्रकाश में प्रतिभागियों ने अंग्रेज़ी में यूनानी चिकित्सा पद्धति से संबंधित सभी बुनियादी जानकारी पर आधारित एक छोटे से दस्तावेज़ के विकास पर सहमति प्रकट की। प्रो. आसिम अली ख़ान ने लाभदायक चर्चा के लिए प्रख्यात विशेषज्ञ और परिषद् के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। ●●●

आहार और पोषण पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने 11–13 नवम्बर 2018 को आई.सी.एम.आर. – राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एन.आई.एन.) में 'अलाईनिंग फूड सिस्टम्स फॉर हेल्दी डाइट एण्ड इम्प्रूव्ड न्यूट्रीशन' पर आयोजित द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय एन.आई.एन. शताब्दी सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मेलन का उद्देश्य संधारणीय, संतुलित, विविध, पोषक और स्वस्थ्य आहारों के लिए खाद्य पदार्थों की जैव विविधता, गुणवत्ता और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए नीतियों की परिकल्पना करना था ताकि पोषण में सुधार हो और ग़ैर–संचारी रोगों को रोका जा सके। सम्मेलन में 27 देशों के 670 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और सभी लोगों की पोषण की स्थिति और स्वास्थ्य में सुधार लाने और आहार अंतराल पर ध्यान देने के लिए स्थायी स्वस्थ खाद्य प्रणालियों पर अपने ज्ञान और अनुभवों को साझा किया।

सम्मेलन में एक उद्घाटन सत्र, आठ पूर्ण सत्र, इलेक्ट्रॉनिक (ई)–पोस्टर प्रस्तुतिकरण के लिए पांच सत्र और समापन सत्र थे। इस सम्मेलन में आज के संसार में मौजूद कुपोषण के किसी भी रूप के स्थायी समाधान के लिए एक अनोखे दृष्टिकोण रखने वाले अति सक्षम युवाओं की तलाश करने के उद्देश्य से एक 'यंग पीपुल यूनिक आइडिया' (वाई.पी.यू.आई.) सत्र भी था। विशेष रूप से अच्छे विचारों वाले 35 वर्ष की आयु के एक राष्ट्रीय और तीन अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों को चुना गया जिन्होनें सम्मेलन में अपने विचार प्रस्तुत किये।

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के अनुसंधानकर्ता 11–13 नवम्बर 2018 को आई.सी.एम.आर.– राष्ट्रीय पोषण संस्थान में 'अलाईनिंग फूड सिस्टम्स फॉर हेल्दी डाइट एण्ड इम्प्रूव्ड न्यूट्रीशन' पर आयोजित द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय एन.आई.एन. शताब्दी सम्मेलन के दौरान।

उद्घाटन सत्र में डॉ. आर. हेमलता, निदेशक, एन.आई.एन., हैदराबाद ने अपना स्वागत भाषण दिया; और श्री टी. लोंगवाह, वैज्ञानिक–जी, एन.आई.एन., हैदराबाद ने परिचयात्मक भाषण दिया। उद्घाटन भाषण डॉ. राजेश कुमार, संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने दिया। श्रीमती एम. एन्न टूटविलर, महानिदेशक, बॉयोवर्सिटी इन्टरनेशनल, रोम, इटली ने उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण दिया।

पहले दिन 'अलाईनिंग फूड सिस्टम्स फॉर हेल्थी डाइट एण्ड इम्प्रूव्ड न्यूट्रीशन' पर पैनल चर्चा की गई जिसकी अध्यक्षता डॉ. राजेश कुमार, संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने की। 'एग्रो–बॉयोडायवर्सिटी फॉर न्यूट्रिशन एण्ड हेल्दी डाइट्स' पर आधारित सत्र में डॉ. क़मरूद्दीन, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) और प्रमुख, मुआलजात विभाग, केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), हैदराबाद ने 'कैंसर के कारण, रोकथाम और उपचार में आहार तथा पोषण की भूमिका' पर एक ई–पोस्टर प्रस्तुती दी। इनके अलावा डॉ. मोहम्मद नवाब, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं रीडर, मुआलजात; और डॉ. जावेद ईनाम सिद्दीक़ी, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं लेक्चरर, इल्मुल अदविया, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद ने के.यू.चि.अ.प. की तरफ से कार्यक्रम में भाग लिया।

तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान पोषण के क्षेत्र में प्रसिद्ध 30 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय और 35 राष्ट्रीय वक्ताओं ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये जबकि लगभग 173 राष्ट्रीय और 28 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने अपने ई–पोस्टर प्रस्तुत किये।

राष्ट्रीय आरोग्य मेले में भागीदारी

के.यू.चि.अ.प. ने अपने क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), चेन्नई के माध्यम से 5–9 दिसम्बर 2018 के दौरान सेंट्रल यूनिवर्सिटी ग्रांउड, बेंगलुरू में तरूणया शिक्षाना सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य मेले में भाग लिया।

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय 5–9 दिसम्बर 2018 को बेंगलुरू में आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य मेले में के.यू.चि.अ.प. के एक अधिकारी से फूलों का गुलदस्ता स्वीकार करते हुए।

के.यू.चि.अ.प. की गतिविधियों और उपलब्धियों को प्रदर्शनी तथा पैनल और ट्रांसलाइट के प्रदर्शन और यूनानी चिकित्सा पर प्रचार–प्रसार सामग्री के निःशुल्क वितरण द्वारा उजागर किया गया। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और आयुष विभाग, कर्नाटक सरकार के समर्थन द्वारा आयोजित इस मेले में विभिन्न रोगों के लिए 315 रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श और उपचार प्रदान किया गया और परिषद् के चिकित्सकों द्वारा चार सार्वजनिक व्याख्यान दिये गये।

मेले का आयोजन आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्यापैथी (आयुष) पद्धतियों से संबंधित सभी चीजों को संबोधित करने और संपूर्ण भारतवर्ष में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति और उपचार अभ्यासों की विविधता और महत्व को प्रदर्शित करने तथा जन स्वास्थ्य जागरूकता और उपचार में इसकी भुमिका उजागर करने के लिए एक आम मंच के रूप में किया गया था।

●●●

स्वास्थ्य दिवस का आयोजन

परिषद् के केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), लखनऊ ने अक्टूबर–दिसम्बर 2018 के दौरान रोगियों और आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया।

डॉ. एम.ए. खान, उप निदेशक प्रभारी, केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, लखनऊ 12 अक्टूबर 2018 को विश्व आर्थराइटिस दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते हुए।

12 अक्टूबर को विश्व आर्थराइटिस दिवस, 24 अक्टूबर को विश्व पोलियो दिवस, 29 अक्टूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस और 1 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस मनाया गया।

इन सभी अवसरों पर डॉ. एम.ए. ख़ान, उप–निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ ने रोगों से बचने के लिए निवारक उपायों पर सार्वजनिक व्याख्यान दिए और यूनानी चिकित्सा में उपलब्ध उपचार पर प्रकाश डाला। उन्होनें समाज, धार्मिक समूहों, ग़ैर–सरकारी संगठनों और सामाजिक–राजनितिक संगठनों से रोगों की रोकथाम के लिए एकजुट होने की अपील की और अपने क्षेत्रों में उनसे इन दिवसों को मनाने का संदेश फैलाने का आग्रह किया। ●●●

केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण

परिषद् के केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), हैदराबाद ने 24–25 सितम्बर 2018 को हैदराबाद में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू.), नई दिल्ली द्वारा आयोजित केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा के सामान्य ड्युटी चिकित्सा अधिकारियों के लिए तृतीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया।

डॉ. मुनव्वर हुसैन काज़मी, उप–निदेशक प्रभारी और केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के अधिकारी 24–25 सितम्बर 2018 को हैदराबाद में केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा अधिकारियों के लिए तृतीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षार्थियों के साथ ग्रुप फोटो के लिए पोज़ देते हुए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य नए भर्ती हुए चिकित्सा अधिकारियों को अनावरण प्रदान करना और आयुष पद्धतियों के माध्यम से सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए समग्र दृष्टिकोण के साथ उन्हें उन्मुख करना था। कार्यक्रम में एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यु, नई दिल्ली के दो पर्यवेक्षकों सहित देश के विभिन्न भागों से कुल 12 चिकित्सा अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में एक उद्घाटन सत्र, दो तकनीकी सत्र और एक समापन सत्र था। उद्घाटन सत्र में डॉ. मुनव्वर हुसैन काज़मी, उप–निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद ने पारंपरिक चिकित्सा में आयुष पद्धतियों के प्रभावी एकीकरण पर ज़ोर दिया।

तकनीकी सत्र में डॉ. कमरूद्दीन, डॉ. जावेद ईनाम सिद्दीक़ी, डॉ. मोहम्मद नवाब और डॉ. मुनव्वर हुसैन काज़मी ने यूनानी चिकित्सा का परिचय, युनानी फार्माकोलॉजी, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद की कार्यप्रणाली, ईलाज–बित–तदबीर, और यूनानी चिकित्सा में बर्स (विटिलिगो) के उपचार पर व्याख्यान दिए।

प्रशिक्षार्थियों ने प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लिया और ह्यूमोरल सिद्धांत, मिज़ाज और यूनानी चिकित्सा के गुणवान क्षेत्रों के बारे में जानने में गहन रूचि दिखाई। •••

परिषद् की अनुसंधानकर्ता को पुरस्कार

डॉ. ग़ज़ाला जावेद को 2 दिसम्बर 2018 को भारत निर्माण नामक संस्था द्वारा 'मेक इन इण्डिया अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

डॉ. ग़ज़ाला जावेद 2 दिसम्बर 2018 को श्री अश्विनी कुमार चौबे, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से मेक इन इंडिया अवार्ड प्राप्त करती हुईं।

डॉ. ग़ज़ाला जावेद, जोकि केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् में अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक–IV हैं, को यह अवार्ड यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए दिया गया है।

श्री अश्विनी कुमार चौबे, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने डॉ. ग़ज़ाला को यह अवार्ड होटल रॉयल प्लाज़ा, नई दिल्ली में 24वें मिस्टिक इंडिया एक्सपो 2018 के एक भाग के रूप में भारत निर्माण – एक ग़ैर–सरकारी संगठन – द्वारा आयोजित 'मेक इन इण्डिया अवार्ड' समारोह में प्रदान किया। •••

आयुष अनुसंधानकर्ताओं के लिए आई.टी. प्रशिक्षण

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने अपनी प्रमुख पहल के तहत सेंटर फॉर एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी–डैक), पुणे के सहयोग से आयुष अनुसंधानकर्ताओं के लिए तीन माह का व्यापक आई.टी. प्रशिक्षण का आयोजन किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आयुष पद्धतियों के विकास और प्रचार–प्रसार में सूचना प्रौद्योगिकी की क्षमताओं का उपयोग करने के लिए आयुष अनुसंधानकर्ताओं को आई.टी. कौशल के साथ समर्थ बनाना था।

सेंटर फॉर एडवांस्ड कंप्यूटिंग, पूणे द्वारा प्रदान किए गए तीन माह के व्यापक आई.टी. प्रशिक्षण में भाग लेने के बाद आयुष अनुसंधानकर्ता अपने प्रमाण पत्र के साथ ग्रुप फोटो के लिए पोज़ देते हुए।

के.यू.चि.अ.प. के अनुसंधानकर्ता, डॉ. शैख़ निक्हत, क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई, डॉ. मोहम्मद ज़ाकिर, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद और डॉ. शीराज़ मुश्ताक़, क्षे.यू.चि.अ. सं., श्रीनगर ने प्रशिक्षण में भाग लिया और लाभान्वित हुए। डॉ. हसीब अंसारी और डॉ. वसीम अहमद, राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान (एन.आई.यू.एम.), बेंगलुरू भी प्रशिक्षण में उपस्थित हुए।

प्रशिक्षण में सैद्धांतिक और व्यवहारिक सत्र शामिल थे। प्रशिक्षण में इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड डेवलपमेंट, इंट्रोडक्टशन ऑफ मेडिकल रिकॉर्ड, इंट्रोडक्टशन ऑफ क्लासिफिकेशन एण्ड टर्मिनोलॉजीस, इंटरनेशनल क्लासिफिकेशन ऑफ डिज़िज़ेज, सिस्टेमाइज़्ड नोमेनक्लेचर ऑफ मेडिसिन–क्लिनिकल टर्म्स और नेशनल आयुष मोरबिडिटी एण्ड स्टैन्डर्डाइज़्ड टर्मिनोलॉजीस इलैक्ट्रोनिक पोर्टल (नमस्ते–पोर्टल), इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड, इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड, हेल्थ इंफॉर्मैटिक्स, हेल्थ मैनेजमेंट इफॉरमेशन सिस्टम, बायोइंफॉर्मैटिक्स, एचपीसी कम्प्यूटर्स, एचटीएमएल प्रोग्रामिंग, क्लाउड कम्प्यूटिंग, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग टूल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मोबाइल ऐप्लिकेशन, डीआरओएनई टेक्नोलॉजी इत्यादि विषय शामिल थे।

प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के अन्त में परियोजना कार्य प्रस्तुत किया। यूनानी टीम ने 'यूनीसोफ्ट – ए वेब बेस्ड क्लिनिकल डिसीजन सपोर्ट सिस्टम', 'मह्हस–ए–मिज़ाज – ए डेस्कटॉप बेस्ड ऐप्लीकेशन फॉर मिज़ाज डॉयग्नोसिस' और 'ई–अदविया–यूनानी एनसाईक्लोपीडिया फॉर फॉर्माकोलोजी' नामक तीन परियोजनाएं प्रस्तुत कीं।

●●●

पंजीकरण सं. 34691/80

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, जो आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है, की आधिकारिक त्रैमासिक पत्रिका है। यह हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में एक साथ प्रकाशित होती है। इसमें विशेषतः केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् से संबंधित समाचार होते हैं। यह ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए मुफ़्त उपलब्ध है जो यूनानी चिकित्सा पद्धति के विकास में दिलचस्पी रखते हैं।* सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *में प्रकाशित सामग्री को* सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *के आभार के साथ, इस शर्त पर प्रकाशित किया जा सकता है कि वह प्रकाशन व्यापारिक उद्देश्यों से न किया जाये।*

मुख्य संपादक
आसिम अली ख़ान

कार्यकारी संपादक
मोहम्मद नियाज़ अहमद

संपादकीय समिति
नाहीद परवीन
गज़ाला जावेद
जमाल अख़्तर
टी मैथीलगन
शबनम सिद्दीक़ी

संपादकीय कार्यालय
केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्
61–65, इंस्टीटयूशनल एरिया, समुख 'डी' ब्लाक, जनकपुरी, नई दिल्ली–110 058

दूरभाष: +91–11–28521981, 28525982
फैक्स: +91–11–28522965
ई–मेल: unanimedicine@gmail.com
rop.ccrum@gmail.com
वेबसाइट: http://ccrum.res.in

मुद्रण: इण्डिया ऑफसैट प्रैस, ए–1, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, मायापुरी, नई दिल्ली–110 064

ISSN 0974 1666

CCRUM newsletter

A Quarterly Bulletin of Central Council for Research in Unani Medicine

Volume 38 • Number 4 October–December 2018

MoU Between CCRUM and Tajik University

A Memorandum of Understanding for cooperation in Unani Medicine was signed between the Central Council for Research in Unani Medicine and Avicenna Tajik State Medical University (ATSMU) in Dushanbe, Tajikistan on October 8, 2018. This historical agreement is one of the nine agreements signed between the governments of India and Tajikistan during the visit of Hon'ble President of India Shri Ram Nath Kovind to Tajikistan during October 7–9, 2018.

Addressing a meeting organized at the CCRUM headquarters to underscore the importance of the agreement and formulate action plan, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM termed it a milestone and congratulated the CCRUM officers for their efforts in this regard. He emphasized the need to translate this agreement into action at the earliest and said that the possibilities for establishment of a Unani Chair at the ATSMU might be considered as the first step.

According to the MoU, the CCRUM and the ATSMU would participate in joint research projects, international collaborations, education and training in the areas of mutual interest. The two organizations would exchange information, documents and scientific publications for fostering research and development in Unani Medicine. Besides, joint organization of conferences, seminars, workshops and symposia, exchange of experts for capacity building, training of practitioners, scientists, students, etc., accommodating interested scientists, practitioners and students in the two institutions for research, education and training are some other provisions of the agreement.

Hon'ble President of India Shri Ram Nath Kovind with his Tajik counterpart Shri Emomali Rahmon during his state visit to Tajikistan during October 7–9, 2018.

During his state visit of Tajikistan, Shri Ram Nath Kovind and his Tajik counterpart Shri Emomali Rahmon met in restricted and extended formats and noted the deep ties between the two countries based on shared values of humanism, history, language, traditions, art and culture. They

expressed satisfaction at the regular high-level exchange of views, mutual understanding and confidence and excellent level of cooperation achieved in the 26 years since the establishment of diplomatic relations between the two Republics. The two leaders reaffirmed their commitment to further expand and strengthen the strategic partnership for peace, stability, economic progress and prosperity of the two countries and the region.

Vigilance Awareness Week Observed at CCRUM

The CCRUM observed Vigilance Awareness Week during October 29–November 03, 2018 at its headquarters as well as research centres operating throughout the country. Themed on 'Eradicate Corruption – Build a New India', the week was observed as an effort to promote integrity, transparency and accountability in public life.

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM, Shri RU Choudhury, Assistant Director (Administration) and Chief Vigilance Officer, Dr. Naheed Parveen, Assistant Director (Unani) and officials of the CCRUM headquarters (above) and Dr. Seema Akbar, Assistant Director Incharge and staff of the Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar (below) taking integrity pledge on October 29, 2018.

The campaign seeks to create awareness among government employees, central government offices, institutions, public sector undertaking and general public to check corruption and promote integrity at every level. It inspires the system to implement preventive measures effectively, so that transparency and accountability can be maintained in the governance. The basic motto of this week is to create a corruption free society.

The Vigilance Awareness Week at the CCRUM commenced with integrity pledge administered by Shri RU Choudhury, Assistant Director (Administration) and Chief Vigilance Officer at the CCRUM headquarters. All the officials pledged to follow probity and rule of law in all walks of life and lead by example exhibiting integrity in personal behavior. They further pledged to perform all tasks in an honest and transparent manner and act in public interest. They declared that they would neither take nor offer bribe and report any incident of corruption to the appropriate agency.

During the week, various activities related to the main theme were organized. The activities included organization of talk and essay writing competitions on 'How to improve vigilance at workplace?' and 'Importance of transparency in public dealing in day-to-day activity' respectively. The participants of the competitions were felicitated with prizes and certificates.

High-level Delegation Visits Iran

A high-level delegation comprising Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary to the Government of India, Ministry of AYUSH and Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM visited Iran during November 19–20, 2018.

Vaidya Rajesh Kotecha and Prof. Asim Ali Khan with officials from Iran in a meeting in Tehran on November 20, 2018.

The visit aimed at forging executive steps and action plan in pursuance to the Memorandum of Understanding signed between the Ministry of AYUSH, Government of India and the Ministry of Health and Medical Education, Government of Iran to cooperate and collaborate in the area of education and research in Traditional Medicine in February 2018.

The delegation had fruitful interactions with the Iranian policy makers and both the parties agreed upon cooperation between academic centers of the two countries, exchange of experts, knowledge, experiences and resources, collaboration between National Botanical Garden of Iran and Botanical Gardens of India and exchange of herbarium specimens, exploring possibility for reciprocal approval of traditional medicines and pharmacopoeias of both the countries, conducting joint training courses and joint organization of two conferences on traditional medicine in India and Iran. The parties also agreed to grant scholarships from each side on mutual agreement.

The two sides also discussed signing an agreement between the Central Council for Research in Unani Medicine and Tehran University of Medical Sciences in near future.

Both the sides developed a joint action plan and signed Minutes of the Meeting (MoM) to this effect. The MoM was signed by Vaidya Rajesh Kotecha and Prof. Asim Ali Khan from the Indian side. Dr. Mohsen Asadi Lari, Acting Minister for International Affairs, Ministry of Health and Medical Education and Dr. Mahmoud Khodadoust, Director General, Persian Medicine Office were the signatories from the Iranian side.

CCRUM Researchers Attend Rising Stars Programme

The All India Institute of Ayurveda (AIIA) organized a two-day training for women AYUSH professionals under the Rising Stars programme.

Aimed at fostering holistic skill development among promising women AYUSH professionals, the training was organized in collaboration with Indian Institute of Management - Kozhikode in New Delhi during October 30–31, 2018. It was attended by 30 professionals including three from the CCRUM – Dr. Naheed Parveen, Assistant Director (Unani), Dr. Shagufta Parveen, Deputy Director (Unani) and Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist - IV.

Issues pertaining to gaining self-awareness, shaping future considering the changing world and improving decision making skills were some of the areas discussed during the programme.

CCRUM signs MoA with NRDC

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) signed a Memorandum of Agreement (MoA) with the National Research Development Corporation (NRDC) for cooperation in the development of technologies and their successful transfer to industry for commercial exploitation and socio-economic benefits on October 29, 2018 in New Delhi.

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM and Dr. H Purushotham, Chairman and Managing Director, National Research Development Corporation showcasing the dossier of Memorandum of Agreement on October 29, 2018 in New Delhi.

The CCRUM has 17 patents to its credit for developing certain novel and therapeutic compositions prepared from herbal and mineral origin drugs providing effective treatment for diseases like Bronchial Asthma, Rheumatoid Arthritis, Constipation and Coryza. Some of the patents have been granted for developing SCAR primers which can be used to authenticate or confirm the presence of genuine and adulterant in the drug mixture. The move to cooperate with the NRDC would lead to commercialization of the patents and provide a revenue generation opportunity to the CCRUM.

According to the MoA, the CCRUM would assign the NRDC its technologies including patents for the sole and absolute right of licensing and commercial exploitation. The CCRUM would provide the NRDC technical and engineering know-how relating to such technologies consisting of documented technical information on the mode of working and using the same by an industry, as may be necessary, to commercialize the said technologies and associated patents / designs / copyrights / trademarks.

As a part of the agreement, the NRDC would give wide publicity to the availability of the processes assigned to it by the CCRUM for commercial exploitation and to generate necessary market data / profiles, prefeasibility, feasibility and project reports in order to promote speedy and effective licensing and commercialization of the technologies.

The NRDC also agreed to advise and render all possible assistance to the CCRUM to protect technologies by filing patents / designs / copyrights / trademarks for licensing and the CCRUM in return would assign to the NRDC for commercialization. The MoA is valid for ten years which may be extended for further periods by mutual agreement.

The MoA was signed by Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM and Dr. H Purushotham, Chairman and Managing Director, NRDC in the presence of officials from the two organizations.

National Seminar on Intellectual Property Rights

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) in collaboration with the National Medicinal Plants Board (NMPB) organized a two-day National Seminar on Intellectual Property Rights at the Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Srinagar during November 30–December 01, 2018. The seminar highlighted the importance of protecting traditional knowledge and significance of property rights and patents for a scientific organization.

Dignitaries on the dais – (right to left) Dr. Mohammad Tahir, Advisor (Unani), Ministry of AYUSH, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM, Shri Pramod Kumar Pathak, Additional Secretary, Ministry of AYUSH, Prof. Talat Ahmad, Vice Chancellor, University of Kashmir and Dr. Mukhtar Ahmad Qasmi, Joint Advisor (Unani), Ministry of AYUSH during inaugural session of National Seminar on Intellectual Property Rights held in Srinagar during November 30–December 01, 2018.

The seminar was inaugurated by Shri Pramod Kumar Pathak, Additional Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India in the presence of Prof. Talat Ahmad, Vice Chancellor, University of Kashmir, Dr. Abdul Kabir Dar, Commissioner, Food Safety, Government of Jammu & Kashmir, Dr. Mohammad Tahir, Advisor (Unani), Ministry of AYUSH, Dr. Mukhtar Ahmad Qasmi, Joint Advisor (Unani), Ministry of AYUSH and Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM.

Addressing the inaugural session, Shri Pramod Kumar Pathak emphasized the need for conducting innovative research in Unani Medicine and other traditional systems of medicine. He appreciated the CCRUM for obtaining 17 patents related to the development of certain novel and therapeutic compositions and SCAR primers.

Speaking on the occasion, Prof. Talat Ahmad, Vice Chancellor, University of Kashmir said that Unani Medicine is a cultural and empirical inheritance and stressed the need for modernizing the system in order to keep its relevance intact. He urged the stakeholders for upgrading Unani System of Medicine through effective collaboration with different relevant fields so that a meaningful research is undertaken for the overall benefit of mankind. He assured that the University of Kashmir would be happy to be a partner in any collaboration which is aimed at undertaking research in Unani Medicine.

Highlighting the importance of intellectual properties and patents, Dr. Abdul Kabir Dar said that dealing with patents is a serious business and appreciated the CCRUM for its achievements in this area.

Earlier in his welcome address, Prof. Asim Ali Khan shed light on overall working and achievements of the Council and its research institutes. Underscoring the progress in the area of patenting, he informed that the CCRUM has been awarded 17 patents and another 30 applications are in pipeline with the Indian Patent Office (IPO).

During the technical sessions, experts from the IPO, New Delhi and Department of Pharmaceutical Sciences, University of Kashmir shed light on various aspects of IPR and related issues. Shri Subrat Sahu and Ms. Sudha Javeria from IPO, New Delhi delivered lectures on 'Patenting of Biotechnology Invention', 'Basics of Patent Specification Drafting', 'Traditional

Knowledge Protection and Biotech Guidelines and Benefit Sharing', and 'Prior Art Search for Patent Application on TKDL Database and other Databases'. Dr. Mohammad Ishaq Geer, Department of Pharmaceutical Sciences, University of Kashmir delivered informative talks on 'Balancing between IPR and Equitable Access to Medicine' and 'Medicalization of the Society and Socialization of the Medicine'. The sessions were chaired by Dr. Mukhtar Ahmad Qasmi, Dr. Shajrul Amin, Coordinator, Clinical Biochemistry, University of Kashmir and Dr. Rabia Hamid, Coordinator, Nanotechnology, University of Kashmir. Dr. Naquibul Islam from RRIUM, Srinagar and Dr. Abdul Raheem, Dr. Pawan Kumar and Dr. Usama Akram from the CCRUM headquarters co-chaired the sessions. The seminar concluded with vote of thanks proposed by Dr. Seema Akbar, Assistant Director Incharge, RRIUM, Srinagar. The seminar was successful in realizing its objective of sensitizing and training the participants in IPR management, technology transfer and commercialization of patents. ●●●

Shri Pramod Kumar Pathak, Additional Secretary, Ministry of AYUSH addressing the National Seminar on Intellectual Property Rights held in Srinagar during November 30–December 01, 2018.

A view of the participants of the National Seminar on Intellectual Property Rights held in Srinagar during November 30–December 01, 2018.

Arogya Fair in Imphal

The CCRUM participated in the Arogya Fair 2018 organized in Imphal East, Manipur during December 6–9, 2018.

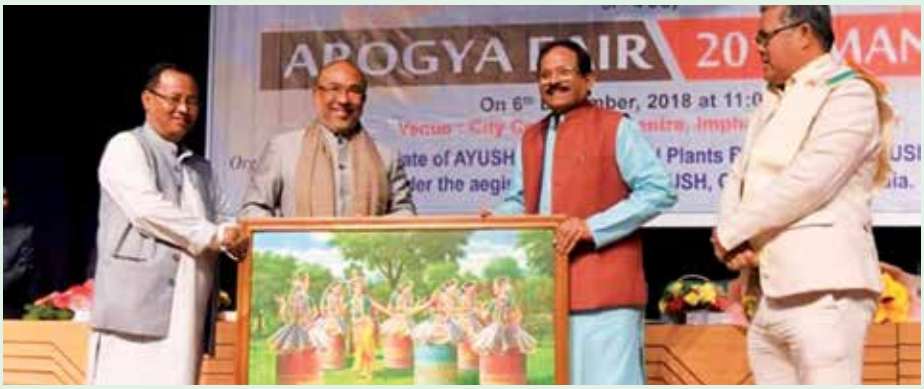

Shri Nongthombam Biren Singh, Hon'ble Chief Minister of Manipur and Shri L. Jayantakumar Singh, Hon'ble Minister of Health, Family Welfare and AYUSH presenting a memento to Shri Shripad Yesso Naik, Hon'ble Union Minister of State (IC) for AYUSH in the inaugural function of Arogya Fair 2018 organized in Imphal East, Manipur during December 6–9, 2018.

It was inaugurated by Shri Nongthombam Biren Singh, Hon'ble Chief Minister of Manipur in the presence of Shri Shripad Yesso Naik, Hon'ble Minister of State (IC) for AYUSH, Government of India.

About 50 public and private organizations participated in the Arogya Fair held with the objective of promoting AYUSH systems in the state which is rich in medicinal plants.

The CCRUM stall received about 500 visitors during the four-day fair. They were keen to know about Unani Medicine and treatment of some specific diseases like Vitiligo and Psoriasis. The CCRUM physicians provided free consultation and treatment to 207 patients. ●●●

Swachhata Pakhwada at CCRUM

The Central Council for Research in Unani Medicine observed Swachhata Pakhwada at its headquarters and institutes across the country during October 16–30, 2018 with the objective of bringing a fortnight of intense focus on the issues and practices of cleanliness and hygiene.

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM addressing the valedictory function of Swachhata Pakhwada organized by the CCRUM, CCRAS, CCRH and CCRYN at AYUSH Auditorium, New Delhi on October 30, 2018.

The Swachhata Pakhwada at the headquarters was formally inaugurated by Dr. Mohd. Tahir, Advisor (Unani) to the Government of India, Ministry of AYUSH as the chief guest of the event on October 23, 2018. The inaugural function started with plantation at the office premises.

During the fortnight, an intense cleanliness drive was undertaken at the headquarters and institutes / units throughout the country. The activities included plantation and improvement of green spaces, general cleanliness drive, corridor cleaning, cleaning of office waste and e-waste, improvement of sanitation, weeding out of old files, toilet cleanliness, repairing of electrical wires, white washing, repairing of old furniture, repairing works in different sections, installation of dustbins and bio-medical waste management. Besides, various competitions like debate, quiz, essay writing, slogan writing, painting were organized to create awareness about cleanliness, sanitation and hygiene among the employees. A special painting completion was organized exclusively for the Swachhata Sainiks (House-Keeping Staff) at the CCRUM headquarters.

A joint valedictory function by four research councils of the Ministry of AYUSH, namely CCRUM, Central Council for Research in Ayurvedic Sciences (CCRAS), Central Council for Research in Homoeopathy (CCRH) and Central Council for Research in Yoga and Naturopathy (CCRYN) was organized at AYUSH Auditorium, Janakpuri, New

Officials of Drug Standardization Research Unit, New Delhi undertaking plantation drive in the office premises.

Delhi on October 30, 2018. The function was addressed by Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM; Prof. Vd. K S Dhiman, Director General, CCRAS; Dr. R K Manchanda, Director General, CCRH; Dr. N. Srikanth, Deputy Director General, CCRAS; Dr. Anil Khurana, Deputy Director General, CCRH; and Dr. Rajiv Rastogi, Assistant Director, CCRYN. The winners of the various competitions held during the Pakhwada were presented prizes and certificates. Certificates, as token of appreciation, were also awarded to all the Swachhata Sainiks (House-Keeping Staff) working at the office premises. The Director General, CCRUM personally appreciated and thanked each Swachhata Sainik for their constant efforts in maintaining sanitation, cleanliness and hygiene at the office premises.

Workshop on Advanced Social Media Insights

Officers of the Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) participated in the Workshop on Advanced Social Media Insights organized by the Central Council for Research in Ayurvedic Sciences (CCRAS) in New Delhi on December 22, 2018. The workshop aimed to train AYUSH professionals for employing the potentials of social media platforms in promotion of AYUSH systems.

In his inaugural address, Shri P. N. Ranjit Kumar, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India highlighted the need to address negative propagation about the AYUSH systems through social media.

In his keynote address on the occasion, Shri K. G. Suresh, Director General, Indian Institute of Mass Communication (IIMC), New Delhi asserted that the goal of social media for AYUSH systems should be to bring about attitudinal change and remove negativity about the systems.

During the technical session, Dr. Anubhuti Yadav, Head, Department of New Media and Course Director of Advertising and Public Relations Course, IIMC delivered lecture on various aspects related to social media like understanding target audience, misinformation / disinformation and verification of facts and content creation. She also imparted hands-on training of different audio-visual tools for creating effective contents.

Based on the learning in the previous workshops, Dr. Tamanna Nazli, Research Officer (Unani), CCRUM delivered a PowerPoint presentation. Technical part of the workshop was coordinated by Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist - IV, CCRUM.

Participants of the Workshop on Advanced Social Media Insights organized by the Central Council for Research in Ayurvedic Sciences in New Delhi on December 22, 2018 posing for a group photo.

Participation in Arogya Expo

The CCRUM through its Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Mumbai participated in the 8th World Ayurveda Congress and Arogya Expo 2018 organized by the World Ayurveda Foundation during December 14-17, 2018 at Convention and Exhibition Center, Gujarat University, Ahmadabad.

Hon'ble Union Minister of State (IC) for AYUSH Shri Shripad Yesso Naik is being welcomed to the 8th World Ayurveda Congress and Arogya Expo 2018 organized by the World Ayurveda Foundation during December 14-17, 2018 in Ahmadabad.

The event was inaugurated by Hon'ble Chief Minister of Gujarat Shri Vijay Rupani in the presence of Union Minister of State (IC) for AYUSH Shri Shripad Yesso Naik, Kerala Health Minister Smt. K K Shailaja Teacher, Union Secretary for AYUSH Vaidya Rajesh Kotecha and Gujarat University Vice-Chancellor Dr. Himanshu Pandya. Themed on 'Strengthening the Ayurveda Ecosystem', the event aimed to redefine 'healthcare' as the basis for health of individuals and population.

Speaking on the occasion, Shri Rupani stressed the need for documentation of Ayurveda as modern medicine. 'Developed by Indian sages 5,000 years back, Ayurveda has the answer to a healthy life and total wellness that the world is searching today', he added.

Addressing the inaugural session, Shri Shripad Naik reiterated that the challenge for AYUSH systems is to gain a status which is tangentially different from the current it enjoys as the 'tool for disease management'. He visited the Council's stall in the event and was welcomed by the RRIUM team with a bouquet of flowers.

The RRIUM, Mumbai showcased the activities and achievements of the CCRUM with an attractive display at its pavilion. Important publications of the Council were displayed and free literature on Unani System of Medicine and research outcomes of the CCRUM was distributed among the visitors. Besides, free consultation was provided to the ailing visitors and *Ḥijāmah* (cupping therapy) was performed in some cases which took centre stage. A total of 175 male and 112 female patients benefitted wherein cupping therapy was performed on 65 patients.

Nearly 24 speakers, 150 guests and 3,500 delegates from 35 countries, besides doctors, experts, drug industry representatives, teachers and students participated in the congress. The event was supported by the Ministry of AYUSH, Government of India and various state governments.

Visitors at the CCRUM stall in Arogya Expo 2018 held during December 14-17, 2018 in Ahmadabad.

Medical Camp in Lucknow

The Central Research Institute of Unani Medicine, Lucknow organized a Medical Camp in the premises of Panchayat Ghar of Kursi area in Lucknow on October 17, 2018 on the request of the local Pradhan.

Physicians of the Central Research Institute of Unani Medicine, Lucknow attending to patients at the medical camp organized by the institute in Lucknow on October 17, 2018.

The camp was inaugurated by Dr. MA Khan, Deputy Director Incharge, CRIUM, Lucknow along with the former Block Pramukh of the area. In his inaugural talk, Dr. Khan advised the visitors to maintain cleanliness, take healthy diet, avoid junk food and lead natural life to keep the disease at bay. He also suggested taking benefit of the treatment facilities available at the CRIUM, Lucknow in case of any suffering from any disease.

Dr. Mahboob-us-Salam, Research Officer (Unani), Shri Abdul Mobeen Khan, Pharmacist and Shri Iqbal Ahmad, Messenger managed the camp. They provided free consultation and treatment to the ailing visitors.

Participation in IISF – 2018

The Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Lucknow participated in India International Science Festival (IISF) – 2018 organized at Indira Gandhi Pratishthan, Lucknow during October 5–8, 2018.

A view of the CCRUM stall in India International Science Festival – 2018 organized at Indira Gandhi Pratishthan, Lucknow during October 5–8, 2018.

The IISF is an initiative launched in 2015 to promote Science and Technology and demonstrate how science could lead India towards a developed nation within a short span of time.

A team of the CRIUM, Lucknow organized CCRUM's participation in the event. The team made all efforts to propagate Unani System of Medicine and highlight activities and achievements of the CCRUM in the area of research and development. The stall put up by the CCRUM displayed informative translites on healthy living and prevention of certain diseases. Free health literature was also distributed among the visitors.

CCRUM Organizes Activities to Promote Unani Day

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) started a 50-day countdown to Unani Day 2019 on December 23, 2018 at its headquarters and research centres spread across the country. The initiative aimed at promoting the event by organizing a host of activities and events.

Participants of the marathon organized by the Central Research Institute of Unani Medicine, Hyderabad to promote Unani Day posing for a group photo.

From the day the countdown began, the 23 institutes / centers of the CCRUM used to start their functioning with a five-minute public talk on the role of Unani Medicine in the management of different diseases with the objective of creating awareness among the patients, their attendants and general public. Besides, marathons, writathon, quiz competitions, public health talks, daily health tips for the general public, workshops, etc. were organized.

As the apex body for research and development in Unani Medicine under the Union Ministry of AYUSH, the CCRUM would organize the main event of Unani Day during February 11–12, 2019 at Vigyan Bhawan, New Delhi. It would be inaugurated by Dr. Najma Heptulla, Hon'ble Governor of Manipur in the presence of Shri Shripad Yesso Naik, Hon'ble Minister of State (IC) for AYUSH, Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary to the Government of India, Ministry of AYUSH, Shri Pramod Kumar Pathak, Additional Secretary, Ministry of AYUSH and other dignitaries.

The Unani Day celebrations would include a two-day National Conference on Unani Medicine for Public Health, a ceremony for distribution of AYUSH Awards for Unani Medicine, an exhibition of industry and academia and an event for release of the CCRUM publications.

The conference will have dedicated sessions on lifestyle disorders and their management, Regimen therapy, mother and child

A scene of the health talk organized at the Regional Research Institute of Unani Medicine, Bhadrak to promote Unani Day.

care, geriatric care, integration and mainstreaming of Unani Medicine in public health and globalization of Unani Medicine. The scientific deliberations by luminaries of Unani System of Medicine is expected to attract participation from experts, academia, researchers and other related stakeholders of Unani Medicine from all over the country.

Interactive Session on Propagation of Unani Medicine

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) organized an Interactive Session with Padma Shri Prof. Hakim Syed Zillur Rahman at its headquarters on December 5, 2018. The session aimed to formulate strategy for the propagation and promotion of Unani System of Medicine and development of literature related to the system.

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM presenting a memento to Padma Shri Prof. Hakim Syed Zillur Rahman during the Interactive Session on Propagation of Unani Medicine at the CCRUM headquarters on December 5, 2018.

In his introductory remarks, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM emphasized the fact that Unani System of Medicine is not only a medical heritage but a complete science which has been evolved gradually by scholars belonging to different cultures and religions in different parts of the world. He pointed out that this fact gave a global touch to Unani System of Medicine and enriched its treasure by imbibing all the wisdom of great minds of different times. He further said that India is the world leader in Unani Medicine today and emphasized that this leadership needs to be conveyed to all the stakeholders at global level by every possible means.

Prof. Syed Zillur Rahman, an eminent Unani scholar and authority on history of Unani Medicine, discussed in detail the caravan of Unani Medicine and the great contributions made by the Unani scholars in different spans of time. He informed that Unani Medicine is known in the modern world by almost 18 names that happen to be a hindrance in the propagation of Unani Medicine at global level. He urged the need for making a consensus over the name of 'Unani' for all the similar systems of medicine. Unani System of Medicine is the only system of medicine that has a continuous, authentic and well-written history since ancient times, Prof. Rahman added. He further elaborated that the roots of Unani Medicine could be traced back to ancient Egypt and Babylon. Speaking about the history of Unani Medicine in India, he informed that the system was introduced during the eighth century AD, and soon got rooted in the country as an indigenous system of medicine. Prof. Rahman acknowledged the Council's contributions in preserving classical literature of Unani Medicine through translation and reproduction. He urged to have collaborations with central Asian countries.

In the light of the discussions, the participants agreed upon the development of a brief document comprising all the basic information related to Unani System of Medicine in English. In his concluding remarks, Prof. Asim Ali Khan extended his gratitude to the eminent expert and Council's officers for fruitful discussions.

International Conference on Diet and Nutrition

The CCRUM participated in the Second International NIN Centenary Conference on 'Aligning Food Systems for Healthy Diet and Improved Nutrition' held at ICMR-National Institute of Nutrition (NIN), Hyderabad during November 11-13, 2018.

The conference aimed at envisaging policies to enhance the biodiversity, quality and safety of foods for sustainable, balanced, diversified, nutritious and healthy diets; so that the nutrition is improved and non-communicable diseases (NCDs) are prevented. Over 670 participants from 27 countries participated in the conference and shared their knowledge and experiences on sustainable healthy food systems to improve the nutritional status and health of all population groups and address dietary gaps.

The conference had an opening session, eight plenary sessions, five sessions for electronic (e)-poster presentation and a valedictory session. The conference also had a Young People Unique Idea (YPUI) session with the aim to look for extraordinary young people with a unique perspective for sustainable solution to any form of malnutrition prevailing in the world today. One national and three international scientists aged <35 years with exceptionally good ideas were chosen who presented their idea at the conference.

In the inaugural session, Dr. R Hemalatha, Director, NIN, Hyderabad delivered her welcome address; and Shri T Longvah, Scientist G, NIN, Hyderabad delivered introductory address. The inaugural address was delivered by Dr. Rajesh Kumar, Joint Secretary, Ministry of Women and Child Development, Government of India. Smt. M Ann Tutwiler, Director General, Bioversity International, Rome, Italy delivered an inaugural keynote address.

On day 1, a panel discussion on 'Aligning Food System for Healthy Diets and Improved Nutrition' was organized which was chaired by Dr. Rajesh Kumar, Joint Secretary, Ministry of Women and Child Development, Government of India.

In a plenary session on 'Agro-Biodiversity for Nutrition and Healthy Diets', Dr. Qamar Uddin, Research Officer (Unani) and Head, Department of Moalajat, Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Hyderabad made an e-poster presentation on 'Role of Diet and Nutrition in the Causation, Prevention and Management of Cancer'. Besides, Dr. Mohammad Nawab, Research Officer (Unani) and Reader, Moalajat; and Dr. Javed Inam Siddiqui, Research Officer (Unani) and Lecturer, Ilmul Advia, CRIUM, Hyderabad participated in the event on behalf of the CCRUM.

During the three-day conference, over 30 international and 35 national speakers renowned in the field of nutrition presented their research papers whereas 173 national and 28 international participants presented their e-posters.

Researchers of the Central Research Institute of Unani Medicine, Hyderabad posing with a standee of the Second International NIN Centenary Conference on 'Aligning Food Systems for Healthy Diet and Improved Nutrition' held at ICMR-National Institute of Nutrition, Hyderabad during November 11-13, 2018.

Participation in National Arogya Fair

The CCRUM through its Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Chennai participated in the National Arogya Fair organized by Tarunya Shikshana Seva Trust at Central University Ground, Bangalore during December 5–9, 2018.

Shri Shripad Yesso Naik, Hon'ble Union Minister of State (IC) for AYUSH accepting floral bouquet by a CCRUM officer in the Nation Arogya Fair organized in Bangalore during December 5–9, 2018.

The activities and achievements of the CCRUM were highlighted through exhibition and display of panels and translites and free distribution of IEC material on Unani Medicine. Free medical consultation and treatment was also provided to 315 patients for various ailments and four public lectures were delivered by the Council's physicians during the fair which was supported by the Ministry of AYUSH, Government of India and Department of AYUSH, Government of Karnataka.

The fair was organized as a common platform to address everything related to Ayurveda, Yoga and Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH) systems and showcase the diversity and significance of Traditional Systems of Medicine and healing practices in the entire Bharatavarsha and their role in public health awareness and management.

Health Days Observed

The Council's Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Lucknow observed various health days to create awareness among the patients and general public during October–December 2018.

Dr. MA Khan, Deputy Director Incharge, Central Research Institute of Unani Medicine, Lucknow delivering a lecture on the occasion of World Arthritis Day on October 12, 2018.

World Arthritis Day was observed on October 12, World Polio Day on October 24, World Stroke Day on October 29 and World AIDS Day on December 1.

On all these occasions, Dr. MA Khan, Deputy Director Incharge, CRIUM, Lucknow delivered public lectures on preventive measures to avoid the diseases and highlighted the treatment available in Unani Medicine. He appealed to the society, religious groups, NGOs and socio-political organizations to come together to prevent the diseases and urged them to spread the message of observing these days in their area.

Training for GDMOs

The Council's Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Hyderabad imparted two-day training under the 3rd Foundation Training Programme (FTP) for General Duty Medical Officers (GDMOs) of Central Health Services (CHS) organized by the National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW), New Delhi during September 24-25, 2018 at Hyderabad.

Dr. Munawwar Husain Kazmi, Deputy Director Incharge and officers of the CRIUM, Hyderabad posing for a group photo with the trainees of 3rd Foundation Training Programme during September 24-25, 2018 at Hyderabad.

The training programme aimed to provide exposure to the newly recruited medical officers and orient them with the holistic approach to wellness through AYUSH systems. A total of 12 medical officers from different parts of the country along with two observers from NIHFW, New Delhi participated in the programme.

The programme had an opening session, two technical sessions and a closing session. In the opening session, Dr. Munawwar Husain Kazmi, Deputy Director Incharge, CRIUM, Hyderabad emphasized effective integration of AYUSH systems into conventional medicine.

In the technical sessions, lectures on introduction of Unani Medicine, Unani pharmacology, functioning of CRIUM, Hyderabad, *'Ilāj bi'l-Tadbīr,* and management of *Baraṣ* (Vitiligo) in Unani Medicine were delivered by Dr. Qamar Uddin, Dr. Javed Inam Siddiqui, Dr. Mohammad Nawab and Dr. Munawwar Husain Kazmi.

The trainees actively participated in the sessions and showed keen interest in knowing about humoral theory, temperament and the strength areas of Unani Medicine.

CCRUM Researcher Awarded

Dr. Ghazala Javed was awarded Bharat Nirman's Make in India Award on December 2, 2018 in New Delhi.

Dr. Ghazala Javed receiving Make in India Award from Shri Ashwini Kumar Choubey on December 2, 2018 in New Delhi.

Dr. Ghazala Javed, who is Research Officer (Unani) Scientist-IV at the Central Council for Research in Unani Medicine, was conferred this award for her contribution in the field of Unani Medicine

Shri Ashwini Kumar Choubey, Hon'ble Union Minister of State, Ministry of Health and Family Welfare conferred this award on Dr. Ghazala Javed in the Make in India Award Ceremony organized by Bharat Nirman – a non-governmental organization, as a part of 24th Mystique India Expo 2018 at Hotel Royal Plaza, New Delhi.

IT Training for AYUSH Professionals

The Ministry of AYUSH, Government of India under its flagship initiative organized three-month extensive IT training for AYUSH professionals in collaboration with the Centre for Advanced Computing (C-DAC), Pune. The training aimed at equipping the participants with IT skills to harness the potentials of Information Technology in the development and propagation of AYUSH systems.

AYUSH Professionals posing with their certificates of participation in three-month extensive IT training imparted by the Centre for Advanced Computing, Pune.

Three CCRUM researchers – Dr. Shaikh Nikhat, RRIUM, Mumbai, Dr. Mohammad Zakir, CRIUM, Hyderabad and Dr. Sheeraz Mushtaque, RRIUM, Srinagar participated in the training and benefited. Dr. Haseeb Ansari and Dr. Wasim Ahmad, National Institute of Unani Medicine (NIUM), Bengaluru also attended the training.

The training comprised theoretical as well as practical sessions. The topics covered in the training included Electronic Health Record Development, Introduction of Medical Record, Introduction of Classification and Terminologies, International Classification of Diseases, SNOMED CT (Systematized Nomenclature of Medicine – Clinical Terms) and National AYUSH Morbidity and Standardized Terminologies Electronic Portal (NAMASTE - Portal), Electronic Health Record, Electronic Medical Record, Health Informatics, Health Management Information System, Bioinformatics, HPC Computers, HTML Programming, Cloud Computing, Fundamentals of Digital Signal Processing Tools, Artificial Intelligence, Mobile Application, DRONE Technology, etc.

As a part of the training, the participants submitted project works. The Unani team submitted three projects entitled 'UniSoft - A Web Based Clinical Decision Support System', 'Mabhas-e-Mizaj – A Desktop Based Application for Mizaj Diagnosis' and 'e-Advia - Unani Encyclopedia for Pharmacology'.

Registration No. 34691/80

About CCRUM Newsletter

The CCRUM Newsletter *is a quarterly official bulletin of the Central Council for Research in Unani Medicine – an autonomous organization of the Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH), Government of India. It is published bilingually in Hindi and English and contains news chiefly about the works and activities of the CCRUM. It is free of charge to individuals as well as to organizations interested in the development of Unani Medicine. Material published in the bulletin may be reproduced provided credit is given to the* CCRUM Newsletter *and such reproduction is not used for commercial purposes.*

Editor-in-Chief
Asim Ali Khan

Executive Editor
Mohammad Niyaz Ahmad

Editorial Board
Naheed Parveen
Ghazala Javed
Jamal Akhtar
T Mathiyazhagan
Shabnam Siddiqui

Editorial Office
CENTRAL COUNCIL FOR
RESEARCH IN UNANI MEDICINE
61-65, Institutional Area, Opp. 'D' Block,
Janakpuri, New Delhi - 110 058

Telephone : +91-11-28521981, 28525982
Fax : +91-11-28522965
E-mail: unanimedicine@gmail.com
rop.ccrum@gmail.com
Website: http://ccrum.res.in

Printed at: India Offset Press, A-1, Industrial Area, Phase - I, Mayapuri, New Delhi - 110 064